राज
कॉमिक्स
विशेषांक
गुप्त
सुपर कमांडो ध्रुव

FOR MORE FUN VISIT:

राजनगर का समुद्र तट-कहीं आबाद तो कहीं बियाबान-
आबाद तट सैलानियों के लिए स्वर्ग है-
तो बियाबान तट, तस्करों के लिए स्वर्ग है-
इस बोट में तो कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है!
कमाल है! फिर ये बोट इस सुनसान जेटी पर क्यों लंगर डाले हुए है!
क्योंकि इस सबकी बस्ती यहां से पास पड़ती है, साहब!
ठीक है! चलो लगता है कि हमको मिली सूचना गलत थी। स्मगलिंग का माल किसी और तट पर उतर रहा है!
पुलिस लाख बाधाएं खड़ी कर ले-
लेकिन अपराधी इनको पार करने के रास्ते तलाश ही लेते हैं।

और वहां से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर-
कौन सोच सकता है कि समुन्दर का पानी घुस आने के बाद बंद हुई गई इस चूना पत्थर की खान में कोई इंसान आ भी सकता है!
वैसे भी इस इलाके की सारी पुलिस तो दूसरी बोट की तलाशी लेने में व्यस्त है!
जल्दी करो! हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है!
अरे डर काहे का!
पुलिस की चिन्ता किसे है! हमें तो उस शैतान की फिक्र है जो अपराध की बू दूर से सूंघ लेता है!
सुपर कमांडो ध्रुव की बात कर रहे हो का?
अरे, पिछली बार भी तो माल छिंया से ही आया था! उस बार तो ऊ कुछ न कर पाया!
ये मत भूलो कि हमारे गोदाम पर छापा उसी ने मारा था! वह बात और है कि वहां पर उसे खाली बक्सों के अलावा कुछ नहीं मिला
इस बारी ऊ का बक्से भी नाहीं मिलेंगे!
आप ख्वामख्वाह वेट लूज न करें!
लीजिए, आ गई पानी से भरी सुरंग, जो समुन्दर से छिंया का स्टार्ट करत है!
ओ, लीजिए! पानी में बुड़क-बुड़क भी शुरू हो गई है!
यानी...

हमारा माल लेकर आ गए हैं आपके आदमी!
हाँ, भई! हमारे हथियार प्लास्टिक में पैक करके लाए हो या उनमें पानी घुसाए दिए हो?
एकदम पैक हैं, सर! न हथियारों में पानी घुस सकता है और न ही आर. डी. एक्स में!
तो लाओ फिर! इस बार तो हमारे आदमी इन ऑटोमेटिक बंदूकन से जौनपुर के एसेंबली इलेक्शन में तहलका मचाय देंगे!
इसकी जरूरत नहीं है! क्योंकि अब तुम्हारे अपराध करने के दिन लद चुके हैं!
मार दो इस के!
रे! यहां पर बम मत चलाना! वरना पूरी छत हमारे सिर पर आ गिरेगी
मस्त सही है भाई! चलो! एक-एक करके बक्सन को हमारे ट्रक में लदवाओ!
ईऽऽऽऽ! ई तो हुमी मिजाज की आवाज है! सूपर कमंडुवा की!
उधर से आय रही है! बक्सन के पीछे से!
ओ तू कहां है? मरद का बिटवा है तो सामने आ!
मिर्जा जौनपुरी सामने हाजिर है!

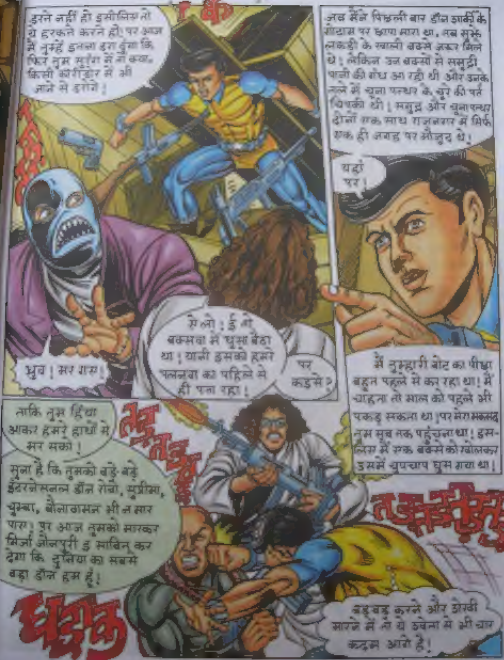
डरते नहीं हो इसीलिए तो ये हरकतें करते हो। पर आज मैं तुम्हें इतना डरा दूंगा कि फिर तुम सपने में भी किसी कॉरीडोर में भी जाने से डरोगे!
जब मैंने पिछली बार डॉन डार्की के गोदाम पर छापा मारा था, तब मुझे लकड़ी के खाली बक्से जरूर मिले थे। लेकिन उन बक्सों से समुद्री पानी की गंध आ रही थी और उनके तले में चूना पत्थर के चूरे की पर्त चिपकी थी। समुद्र और चूना पत्थर दोनों एक साथ राजनगर में सिर्फ एक ही जगह पर मौजूद थे।
यहां पर।
ध्रुव! मर गए!
पर कैसे?
मैं तुम्हारी बोट का पीछा बहुत पहले से कर रहा था। मैं चाहता तो माल को पहले भी पकड़ सकता था। पर मेरा मकसद तुम सब तक पहुंचना था। इसलिए मैं एक बक्से को खोलकर उसमें चुपचाप घुस गया था।
ताकि तुम यहां आकर हमारे हाथों से मर सको!
सुना है कि तुमको बड़े-बड़े इंटरनेशनल डॉन रोबो, सुप्रीमो, चुम्बा, बैलाडामन भी न मार पाए। पर आज तुमको मारकर मिर्जा जौनपुरी ये साबित कर देगा कि दुनिया का सबसे बड़ा डॉन हम हैं!
तड़ातड़
धड़ाक
बड़-बड़ करने और डींगें मारने में तो ये डबेला से भी चार कदम आगे है!

हैं!
हैं!
हैं!
हैं!
अरे! रुक तो...
गोली चलाने का मौका तो...
आऊ!!!
इसको रोको! भून डालो! छलनी कर दो! बस इसे मुझ तक पहुँचने मत देना!

रुक जा, ध्रुव!
नहीं! तुम लोग रुक जाओ! अगर मैं उछल गया या गिर गया तो गोलियाँ चलाओगे भी तुम और खाओगे भी तुम!
सोच लो! ट्रिगर दबाओगे या...
...जैसे पन्द्रह साल...
वैसे कोई जल्दी नहीं है! सोचने का तुमको काफी समय मिलेगा!...

...या शायद तीन साल!
रुको... रुक जाओ! मेरे पास मत आना!
पास तो आना पड़ेगा वर्ना मैं तुम्हारी शक्ल कैसे देख पाऊंगा! ये तुम्हारा मास्क ही तो है जिसने तुमको अभी तक कानून से बचाया हुआ है!
तुम्हारे किसी आदमी ने तुम्हारी शक्ल नहीं देखी है! इसीलिए वे जानते ही नहीं हैं कि तुम आखिर कौन हो?
और इसी वजह से वे पकड़े जाकर भी तुम्हारे खिलाफ गवाही नहीं दे पाते हैं!
जिसका रास्ता रोककर क्या तू समझता है कि तूने मुझे पकड़ लिया! मेरा नाम ओर्की ऐसे ही नहीं है!
आऊ...ऽऽऽ
मेरे पास यहां से जाने के लिए और भी रास्ते हैं!
इसको वापस लाने के लिए शुक्रिया दोस्त!
भागने के सारे रास्ते बंद हैं इसके!

तो फिर एक नया रास्ता बनाना पड़ेगा!
क्योंकि डार्की को तो यहीं से मेरे साथ जाना ही जाना है!
ओ! तो डार्की जमानत लेकर आया है! कौन हो तुम?
नहीं! जैसे तुम मुझे पहली बार देख रहे हो, वैसे ही डार्की भी मुझे पहली बार देख रहा है!
सच पूछो तो राजनगर में ये हमारी पहली एंट्री है!
माँ बाप ने तो कुछ और ही नाम रखा था! पर दुनिया हमें 'अल्केमिस्ट' के नाम से बुलाती है!
क्योंकि हम रसायनों के शहंशाह हैं!
ओह! यानी तुम इसके साथ मिलकर बम वगैरह भी बनाते हो!
और हम डार्की को लेने आए हैं!
एक सौदा करते हैं! तुम डार्की को छोड़ दो, मैं तुम्हें जिन्दा छोड़ दूंगा!
ये अपने अपराधों की सजा भुगत ले, फिर ये आजाद होगा!
बड़े अफसोस की बात है! तुमको अपनी जान की जरा भी फिक्र नहीं है!

लेकिन ये तुम्हारी मौत नहीं, तुम्हारी कैद है

क्योंकि मैं जो काम

इतनी जल्दी उठ भी जाती है।

कमाल हो गया,

अब चुप हो

अगला दिन
पुलिस इस बात को
तो फिर ये क्या है?
मैंने इसको कमजोर समझा था पर इस बार अगर ये मेरे सामने पड़ा तो बचेगा नहीं
चलो फिर
अगर तुम सच
साथ हैं

हवलदार जी

फिर मैं मोबाइक को
स्टार्ट ही अपनी
करूँगा।
सिर्फ पांच मिनट में

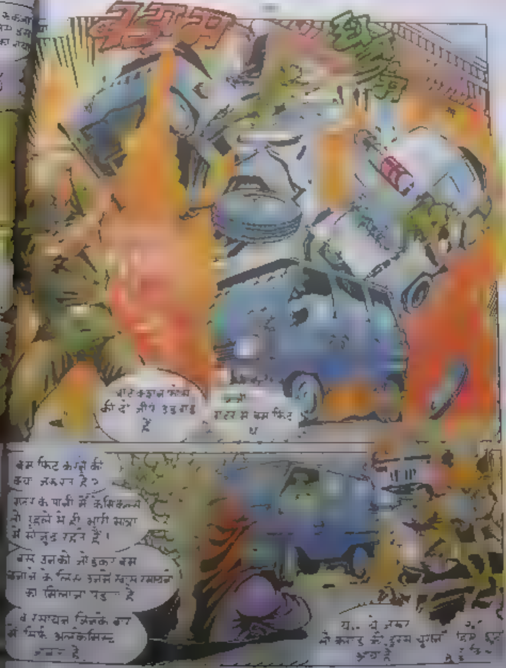
बम फिट करने की क्या जरूरत है?
गटर के पानी में केमिकल्स तो पहले से ही भारी मात्रा में मौजूद रहते हैं।
बस उनको जोड़कर बम बनाने के लिए उनमें खास रसायन का मिलाना पड़ता है
वे रसायन जिनके बारे में सिर्फ अल्केमिस्ट जानता है

गोलियाँ दागीं लेकिन
मैं नहीं चाहती कि

ध्रुव,
की तरफ बढ़ रहा था.
दम घुट.. रहा है

लेकिन खुद उसकी जान को मुसीबत में डाल दिया।
ये आखिर चीज क्या है।

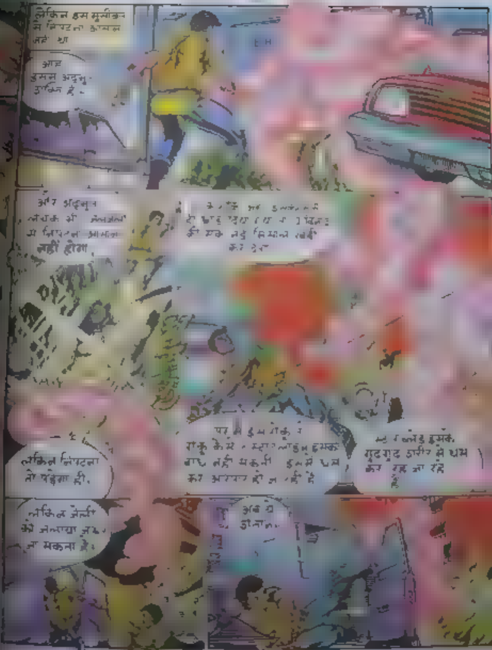
लेकिन इस मूल्यांकन
नहीं होगा
लेकिन लिपटना तो पड़ेगा ही.

नहीं इसको

बच के चंद्रिका तुम क्या सोचने लगी थीं ?
आरती सुनो कि इसको क्या करना है

मुझ पर शरीर से वार करोगे तो खुद चोट खाओगे
और अगर कुछ चीज़ों से मुझे मारना चाहा तो नाकामयाब रहोगे क्योंकि ये मेरे शरीर में धंस तो सकती हैं, पर नुकसान नहीं पहुँचा सकतीं

मुझे पकड़ लेगा।
मैं इसको
और रोकता हूँ
आपका

बाहर जा चुका होगा और
मैं इस तरह से इसका
पीछा नहीं कर पाऊंगा

नहीं कर सकता
इसका मतलब

कैसा
सौदा
और हमें अस्पताल से इसका सबसे पहला निशाना होगा...

मैं मज़ाक नहीं करता

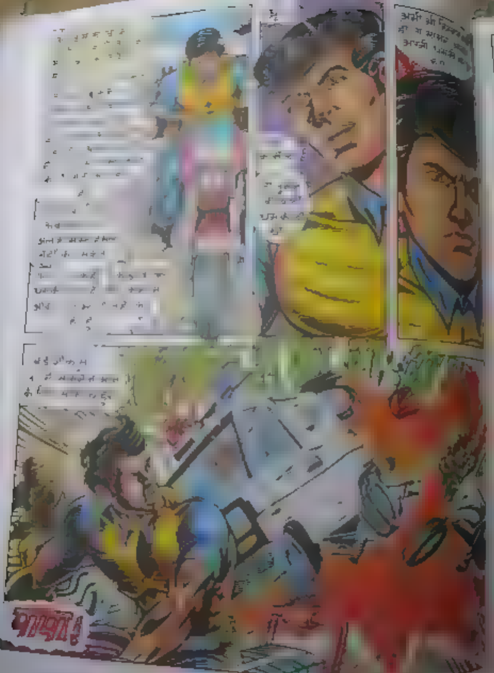

डाल दिया था।
कालनार की गोली में बंद

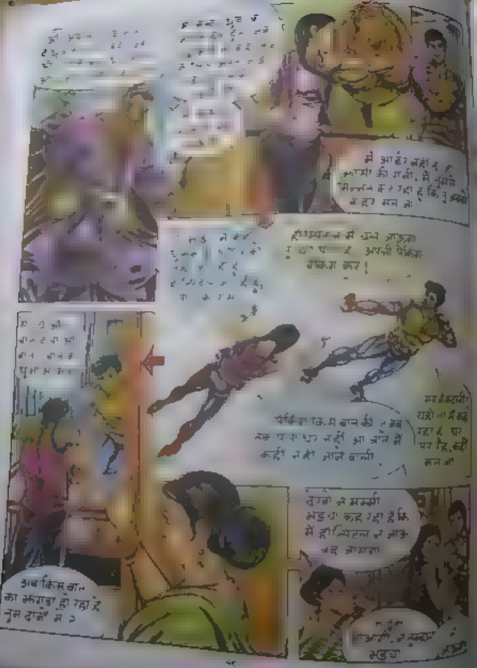
अब किस बात

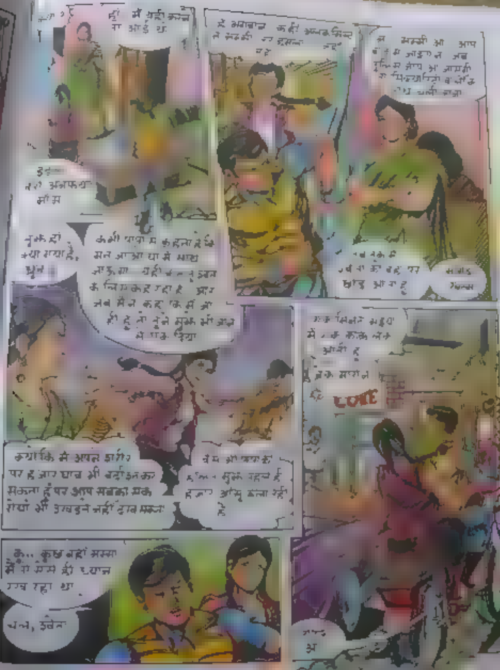
क्योंकि मैं अपने शरीर पर हुआ घाव भी बर्दाश्त कर सकता हूँ पर आप सबका एक रोयाँ भी उखड़ने नहीं देख सकता
कु... कुछ नहीं मम्मा
चलो, इवेन

और बुलबुला भी
गायब हो रहा है

लेकिन

भइया, मैं कुछ मदद करूं?

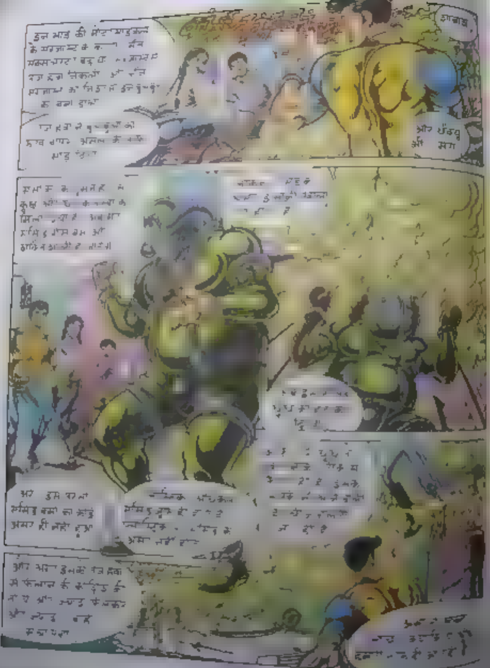

एम्बुलेंस आ चुकी है

अगला शिकार कौन? अगला शिकार?
ध्रुव
सुन ली यमराज के अगले शिकार की आवाज अब तुम्हारा एक गलत कदम तुम्हारी माँ के कदम को यमराज की तरफ बढ़वा देगा

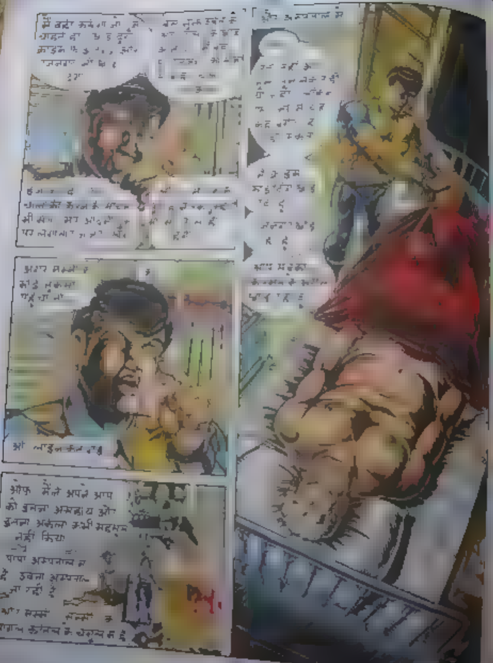
ओफ मैंने अपने आप को इतना असहाय और इतना अकेला कभी महसूस नहीं किया

मैं ये सब जानता हूं
पर मैं एक बात और
जानता हूं जो शायद तुम
नहीं जानते।

कमाल है

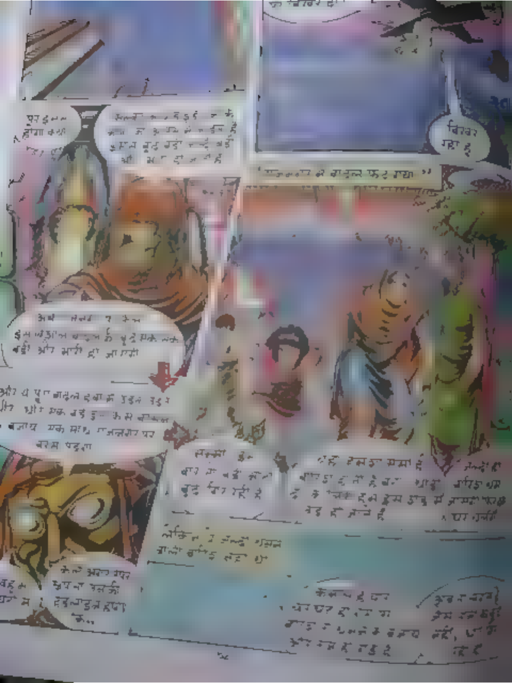

बिखर रहा है

होना पड़ा !

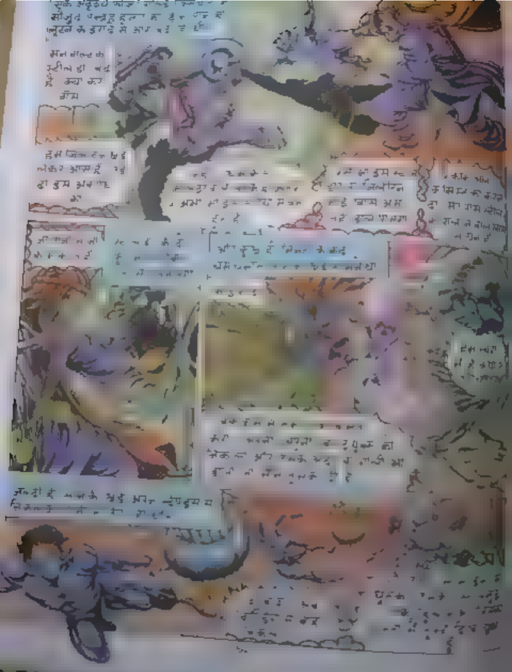

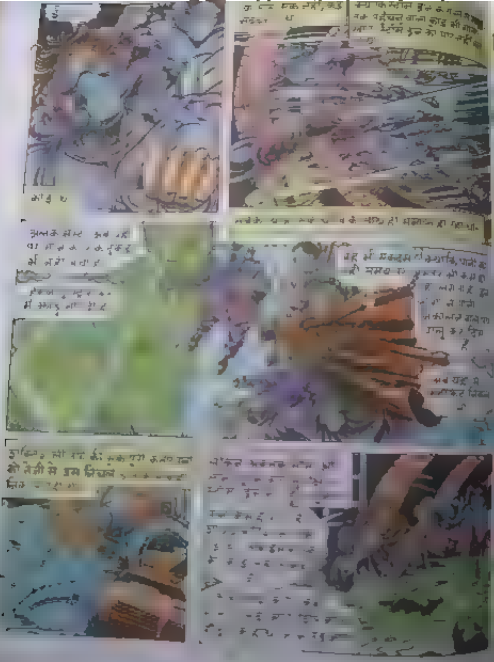

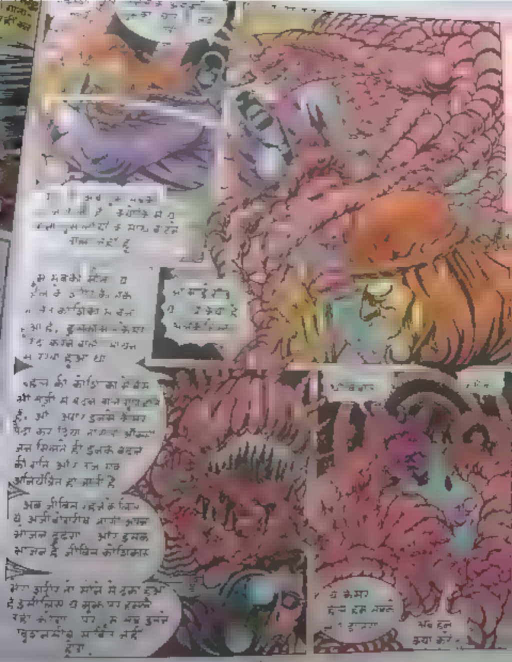
अब क्या करें

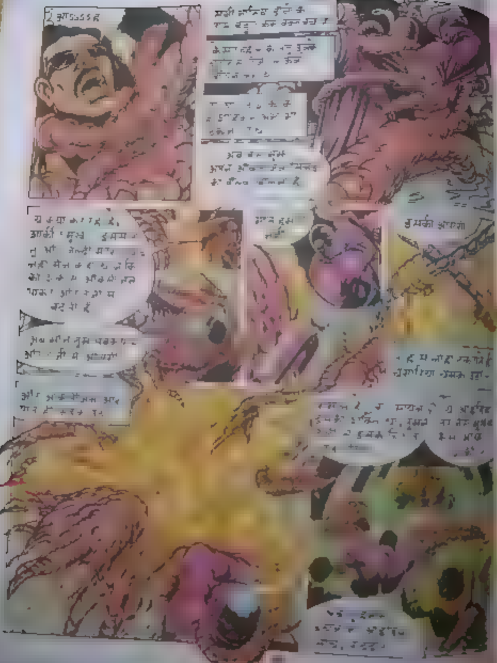
आऽऽऽह
इसकी आवाज़

अरे 'कैंसर व्हेल' के चिथड़े उड़े हैं! ये खत्म कहाँ हुआ है! अब तो ये और खतरनाक हो गया है!
हर टुकड़ा अब एक नई कैंसर व्हेल के रूप में
इसको भगाने के लिए तो हजारों सिलेंडर चाहिए होंगे! वो कहाँ से लाओगे?
देखो! ये टुकड़ा सबसे तेजी से बड़ा हो रहा है! अब ये ही तुम्हारी मौत...
अरे! कहाँ गया?
वो टुकड़ा भी गायब हो गया?
और वो भी!
ये क्या हो रहा है?
पानी के नीचे ध्यान से देखो, अल्केमिस्ट! ये टुकड़े और कुछ नहीं, माँस के लोथड़े हैं!
और मछलियाँ माँस के टुकड़ों को बड़े प्रेम से खाती हैं!
तू डर नहीं रहा था! तू ये पहले से जानता था!
आर्की मूर्ख होगा!
पर मुझमें थोड़ी अक्ल है!
ध्रुव! तू यहाँ!

वह पीटर है! मेरे रूप में! मुझे पता है कि तुम्हारे आदमी उस पर नज़र रखे हुए हैं। पर वे इसको दूर से देख रहे हैं। और हल्के से मेकअप के बाद पीटर बिल्कुल मेरे जैसा दिखता है।
दरअसल जब मैं पीटर और करीम को अस्पताल में कुछ समझाने के बहाने कमरे में ले गया था तो पीटर के रूप में मैं बाहर आया था। और मेरे रूप में पीटर!
अब तुम्हारे आदमी पीटर का पीछा कर रहे थे और मैं अकेला! मकसद था तुम्हारा अड्डा जानने का।
और मैं यहाँ आ पहुँचा। अब समस्या तुम्हारा प्लान जानने की थी। और इसके लिए मैंने उसी ताकत का सहारा लिया जो तुमने मुझसे बचने के लिए आजमाई थी।
गुप्त रूप का।
अब मेरे पास पुलिस को बुलाने का वक्त नहीं बचा था। इसीलिए मैंने खुद ही तुम्हारे प्लान पर पानी फेरने की ठान ली। अपनी दोस्त डॉल्फिनों की मदद से।
कमाल है! मैंने तो सोचा था कि तू डर जाएगा!
तुम्हारे ही अड्डे के एक बाथरूम में मैंने आर्मी पर कब्जा करके उसका रूप ले लिया। मैं चाहता तो इसी वक्त पुलिस तुम्हारे अड्डे पर धावा बोल देती।
पर इससे लड़कों की जान खतरे में पड़ सकती थी।

"लेकिन तब पापा ने मुझसे एक बात कही-"
आपकी और अब ढवेता की जो हालत है, वो मेरे ही कारण है, पापा! मेरा कोई गुप्त रूप न होने के कारण मेरे दुश्मन मेरे सगे-संबंधियों को पहचानते हैं! और वे मुझसे बदला लेने के लिए आप लोगों पर हमला करते हैं!
गुप्त रूप? अगर गुप्त रूप न होने के कारण तुम्हारे जैसे क्राइम फाइटर क्राइम फाइटिंग छोड़ देंगे तो दूसरे क्राइम फाइटर इससे क्या सबक लेंगे?
मेरा ये खास रसायन यहाँ की सारी ऑक्सीजन को नष्ट कर देगा, और तू तड़प-तड़पकर मरेगा!

सिर्फ यही नहीं तुम्हारे सारे आदमी भी यहीं पर हैं। और
अब तुम—
—अरे! कहां गया अल्केमिस्ट? ऐसा लगता है जैसे कि वह हवा में घुल गया!
ओह! भाग गया शैतान!
लेकिन आखिर ये अल्केमिस्ट है कौन!